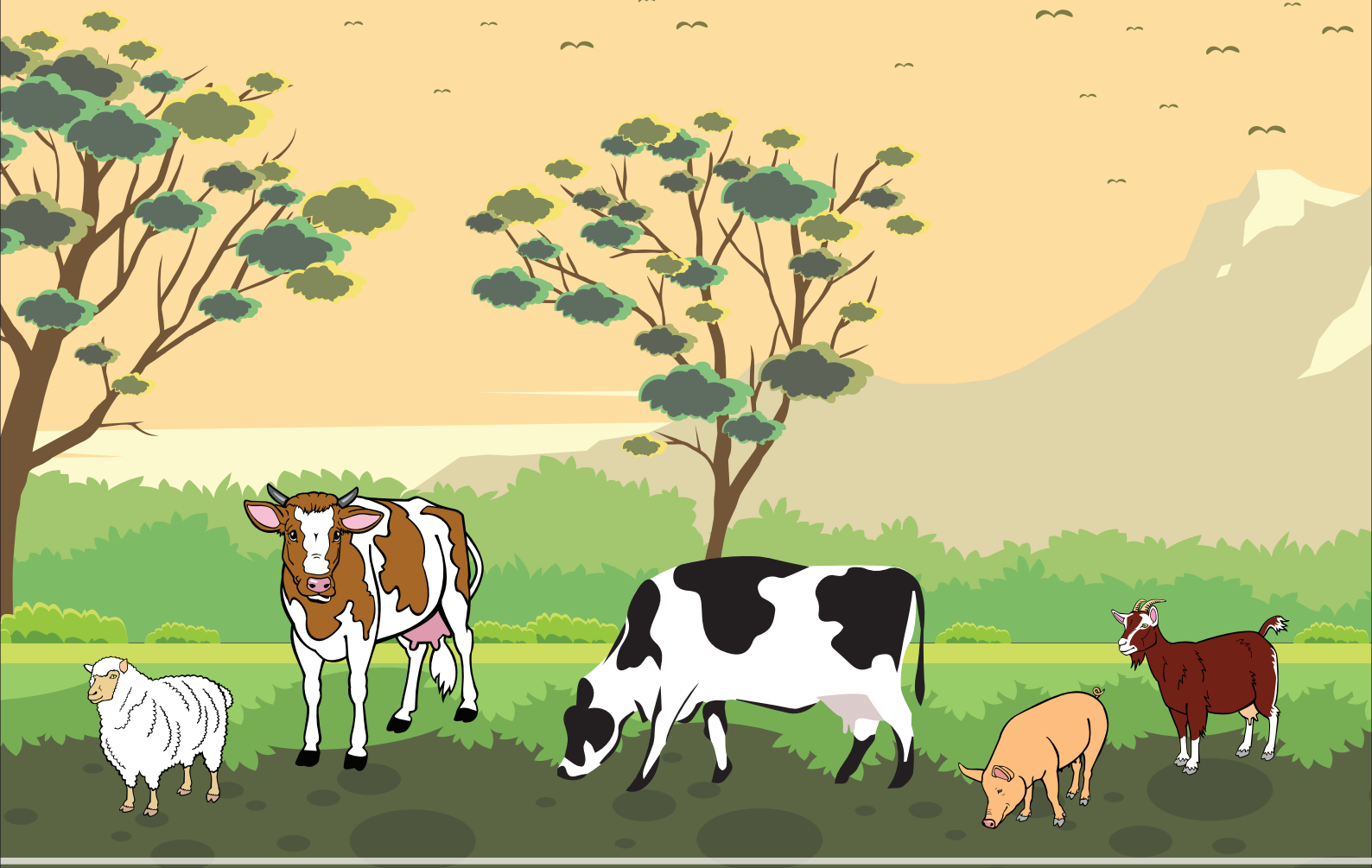
स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

ब्रूसेलोसिस से रहें सावधान!



www.mohfw.nic.in
www.mygov.in
www.pmindia.gov.in

mohfwindia
@MoHFW_INDIA

http://ncdc.gov.in/
@director_NCDC

राष्ट्रीय 'एकीकृत स्वास्थ्य' पशुजन्य रोग नियंत्रण कार्यक्रम

ब्रूसेलोसिस से बचाव है आसान

पशुओं का रखो श्रेष्ठ ध्यान







ब्रूसेलोसिस क्या है?

ब्रूसेलोसिस एक संक्रामक रोग है जो आमतौर पर जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। ब्रूसेलोसिस को माल्टा बुखार भी कहा जाता है।

ब्रूसेला एक बैक्टीरिया है जिसकी निम्न 4 प्रजातियां है



ब्रूसेला मैलिटैनसिस
(B. melitensis)



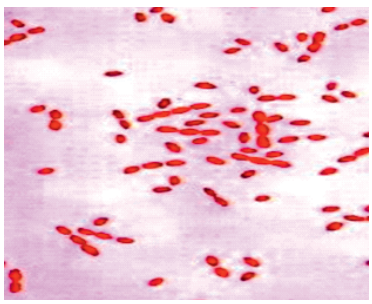
ब्रूसेला अबोर्टस
(B. abortus)



ब्रूसेला कैनिस
(B. canis)



ब्रूसेला सुईस
(B. suis)



ब्रूसेला मैलिटैनसिस ब्रूसेलासी फैमली से एक ग्राम-नगेटिव कोकोबैसिलस जीवाणु है

मनुष्यों में सबसे अधिक बीमारी का कारण ब्रूसेला मैलिटैनसिस है , जो आमतौर पर भेड़ और बकरी में सर्वाधिक पाया जाता है

ब्रूसेलोसिस एक उपेक्षित बीमारी है जो कि सामन्यतः नज़रअंदाज़ की जाती है।



ब्रूसेलोसिस के कारण पशुपालकों व डेयरी उद्योगों को अत्यधिक आर्थिक क्षति होती है

ब्रूसेलोसिस के कारण मनुष्यों में भी गंभीर व जटिल स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं हो सकती है

ब्रूसेलोसिस से किन्हें ज्यादा खतरा है?

पशुपालकों
व डेयरी
कर्मचारियों को





बूचड़खाने
में काम
करने वालो को

कच्चे दूध उत्पादों
व संक्रमित पशुओं
का कच्चा व
अधपका मांस
खाने वाले को





पशुओं में ब्रूसेला का संक्रमण कैसे फैलता है?



- स्वस्थ पशुओं को ब्रूसेला संक्रमित पशुओं के साथ रखने से
- स्वस्थ पशुओं व संक्रमित पशुओं के परस्पर प्रजन्न प्रक्रिया से
- पशुओं को संक्रमित चारा खिलाने से
- स्वस्थ बछड़े को संक्रमित पशु का दूध पिलाने से



मनुष्यों में ब्रूसेला का संक्रमण कैसे होता है?



ब्रूसेलोसिस संक्रमित पशुओं के संपर्क में आने से



संक्रमित पशु के कच्चे दूध या मांस के सेवन करने से



संक्रमित मल-मूत्र के संपर्क में आने से



संक्रमित पशु के गर्भाधान व संक्रमित पशुओं के भ्रूण के संपर्क के आने से



दूषित सब्जियों के इस्तेमाल से



पशुओं में ब्रूसेलोसिस होने के लक्षण क्या हैं?



बार–बार गर्भपात व मृत बच्चे का जन्म होना



घुटनों में सूजन इत्यादि ब्रूसेलोसिस के लक्षण हो सकते हैं



पशुओं में दूध की मात्रा में लगातार कमी

मनुष्यों में ब्रूसेलोसिस होने के लक्षण क्या हैं?



बार–बार तेज बुखार आना



अत्यधिक पसीना



थकान



भूख न लगना



वजन घटना



सिरदर्द



जोड़ों व मांसपेशियों में दर्द





ब्रूसेलोसिस से बचाव कैसे करें?



दूध को हमेशा उबाल कर इस्तेमाल करें



सीधा कच्चे या बिना उबाले हुए दूध से बने उत्पाद जैसे दही, पनीर आदि का उपयोग न करें



फलों और कच्ची सब्जियों को अच्छी तरह से धोकर खायें



ब्रूसेलोसिस से बचाव कैसे करें?

- दूध दुहते समय दस्तानों का प्रयोग अवश्य करें
- पशु के गर्भपात या प्रसव के दौरान भी दस्तानों और मास्क का प्रयोग अवश्य करें
- सभी पशुओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण व सफल टीकाकरण करवाएं
- ब्रूसेलोसिस के लक्षण दिखाई देने पर नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें
- स्वस्थ पशुओं को बीमार पशुओं से अलग रखें

ब्रूसेलोसिस की जांच



ब्रूसेलोसिस की संभावना होने पर तुरंत
चिकित्सक के परामर्श अनुसार
खून इत्यादि जैसी जांच करवाएं



ब्रूसेलोसिस के इलाज के लिए क्या करें?

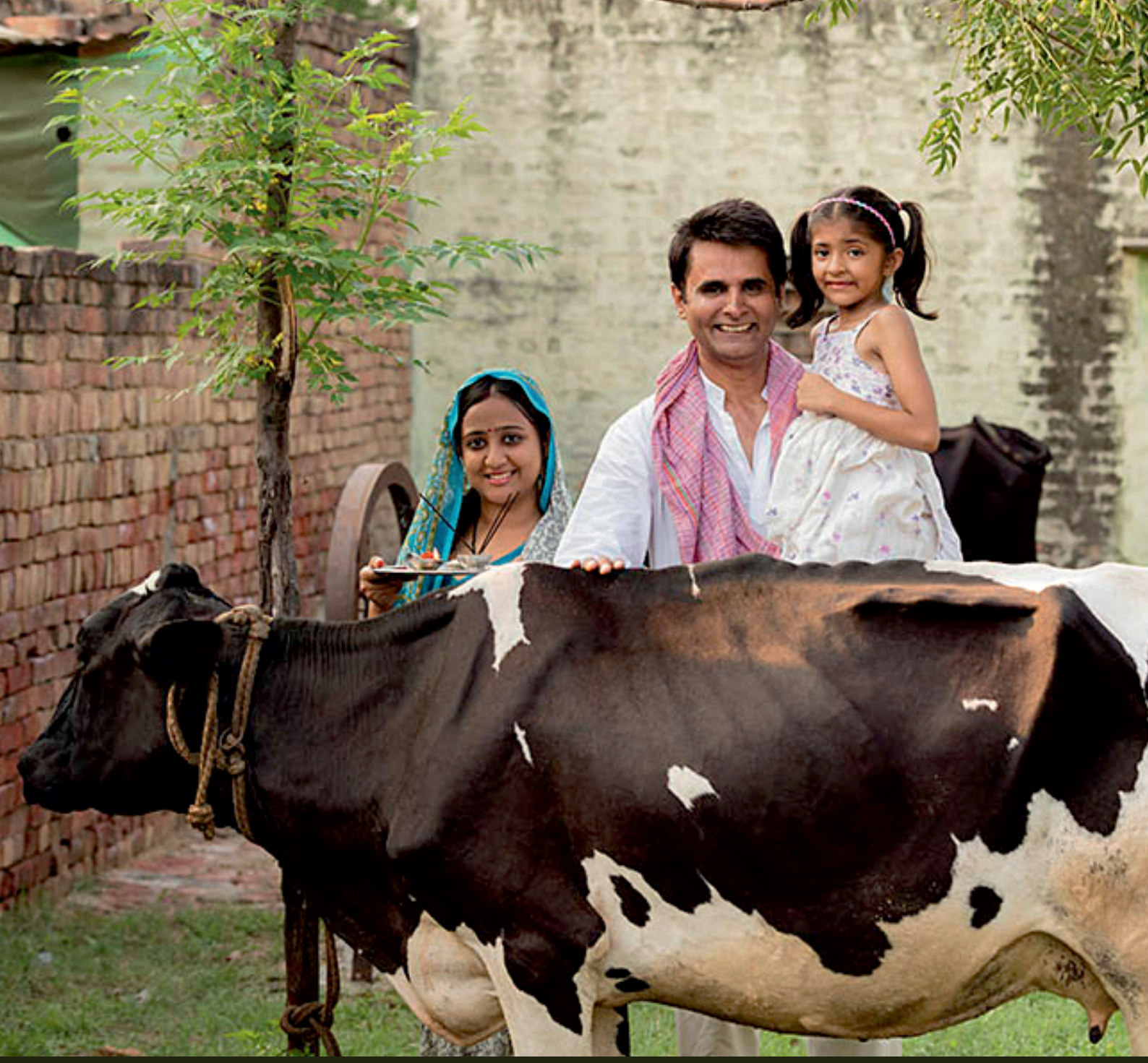


पशुओं में ब्रूसेलोसिस के लक्षण दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें



मनुष्यों में रोग के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें





स्वस्थ पशुधन
स्वस्थ मानव जीवन

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र
22-श्याम नाथ मार्ग, दिल्ली - 110 054
फोन : +91-11-23971272, +91-11-23971060
e-mail: dirnicd@nic.in | www.ncdc.gov.in

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।